

## ग्लोबल एनुअल टू डेकाडल क्लाइमेट अप्डेट रपिर्ट

### प्रलिमिंस के लयि:

वार्षिक दशकीय जलवायु आउटलुक रपिर्ट, रपिर्ट के नषिकर्ष, वशिव मौसम वभिाग, पेरसि समझौता ।

### मेन्स के लयि:

पर्यावरण प्रदूषण और गरिावट, संरक्षण ।

## चर्चा में क्यौं?

**वशिव मौसम वजिज्ञान संगठन** (World Meteorological Organisation- WMO) द्वारा जारी 'ग्लोबल एनुअल टू डेकाडल क्लाइमेट अप्डेट रपिर्ट' (Global Annual To Decadal Climate Update Report) के अनुसार, भारत वशिव स्तर पर उन कुछ क्षेत्त्रों में शामिल हो सकता है जहाँ वर्ष 2022 और अगले चार वर्षों के लयि तापमान सामान्य से कम रहने की भवषियवाणी की गई है ।

- वर्ष 2022 अलासका और कनाडा के साथ-साथ भारत में (1991-2020 के औसत की तुलना में) ठंडा रहेगा ।
- वार्षिक अद्यतन हेतु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसति जलवायु वैजिज्ञानिकों की वशिषज्जता और नरिणय लेने वालों के लयि कार्रवाई योग्य जानकारी को एकत्र करने के लयि वशिव के प्रमुख जलवायु केंद्रों से सर्वोत्तम भवषियवाणी प्रणाली का उपयोग कयिा जाता है ।

## वशिव मौसम वजिज्ञान संगठन (WMO):

- वशिव मौसम वजिज्ञान संगठन (WMO) 192 देशों की सदस्यता वाला एक अंतर-सरकारी संगठन है ।
- भारत वशिव मौसम वजिज्ञान संगठन का सदस्य देश है ।
- इसकी उत्पत्ति अंतर्राष्ट्रीय मौसम वजिज्ञान संगठन (IMO) से हुई है, जिसे वर्ष 1873 के वयिना अंतर्राष्ट्रीय मौसम वजिज्ञान कॉन्ग्रेस के बाद स्थापति कयिा गया था ।
- 23 मार्च, 1950 को WMO कन्वेंशन के अनुसमर्थन द्वारा स्थापति WMO, मौसम वजिज्ञान (मौसम और जलवायु), परिचालन जल वजिज्ञान तथा इससे संबंधति भू-भौतिकीय वजिज्ञान हेतु संयुक्त राष्ट्र की वशिष एजेंसी बन गई है ।
- WMO का मुख्यालय जनिवा, स्विट्ज़रलैंड में है ।

## प्रमुख नषिकर्ष:

- 1.5 डगिरी सेल्सियस से अधिक तापमान:** अगले पाँच वर्षों में से कम-से-कम एक वर्ष के लयि वार्षिक औसत वैश्विक तापमान अस्थायी रूप से पूर्व-औद्योगिक स्तर के 1.5 डगिरी सेल्सियस ऊपर पहुँचने की 50 प्रतिशत संभावना है ।
- सर्वाधिक गर्म वर्ष:** वर्ष 2022-2026 के बीच कम-से-कम एक वर्ष सबसे गर्म होने का रकिर्र्ड बनाएगा और वर्ष 2016 को सबसे गर्म वर्ष की शीर्ष रैंकिंग से हटा देगा ।
  - वर्ष 2022-2026 का औसत पिछले पाँच वर्ष के औसत (2017-2021) की तुलना में 93% अधिक होने की भी संभावना है ।
- ला नीना और अल नीनो घटनाएँ:** वर्ष 2021 की शुरुआत और अंत में **ला नीना** की घटनाएँ वैश्विक तापमान को कम करेंगी, लेकिन यह केवल अस्थायी है तथा दीर्घकालिक ग्लोबल वारमिंग प्रवृत्ति के विपरीत नहीं है ।
  - अल नीनो घटना** में वृद्धि तापमान को तत्काल बढ़ा देगी, जैसा कि वर्ष 2016 में हुआ था, जो अब तक का रकिर्र्ड सर्वाधिक गर्म वर्ष है ।
- वर्षा पैटर्न:** 1991-2020 के औसत की तुलना में नवंबर से मार्च 2022/23-2026/27 के औसत के लयि अनुमानति वर्षा पैटर्न, उष्णकटिबंधीय क्षेत्त्रों में वर्षा में वृद्धि और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्त्रों में कम वर्षा का संकेत देते हैं, जो जलवायु वारमिंग के अपेक्षति पैटर्न के अनुरूप है ।

## भारत वशिषट नषिकरषः

- अगले वर्ष से भारत में तापमान कम होने का एक प्राथमकि कारण इस दशक में वर्षा गतविधि में संभावति वृद्धि है ।
- **भारत मौसम वजिज्ञान वभिग (IMD)** के अनुसार, भारतीय मानसून वर्ष 1971 के बाद से नकारात्मक अवधि में रहने के बाद जल्द ही एक सकारात्मक अवधि में प्रवेश करेगा ।
  - भारत के कई हसिसों में **सामान्य से अधिक वर्षा** होगी जसिसे तापमान भी कम रहेगा ।
- भवषिय की प्रवृत्ति बताती है कि **2021 से 2030** तक दशकीय औसत मानसून सामान्य के करीब होगा ।
  - यह तब सकारात्मक होगा, जब **2031-2040 के दशक में एक आर्द्र अवधि की शुरुआत** होगी ।

## संबंधति चतिः

- अध्ययन के अनुसार, दुनिया अस्थायी रूप से **जलवायु परिवर्तन पर पेरसि समझौते** के शुरुआती लक्ष्य के करीब पहुँच रही है ।
  - **1.5 डिग्री सेल्सियस** शायद उस बढि का संकेतक है जसि पर **जलवायु प्रभाव मानव और वास्तव में पूरे ग्रह** के लिये हानिकारक हो जाएगा ।
- पेरसि समझौता इस सदी में **वैश्वकि तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस** तक सीमति करने एवं वैश्वकि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिये सभी देशों को मार्गदर्शन प्रदान कर **दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारति** करता है और इसके साथ ही आगे चलकर **तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस** रखने का लक्ष्य निर्धारति कयिा गया है ।
- जब तक लोग **ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन** जारी रखेंगे, **तापमान में वृद्धि** जारी रहेगी एवं इसके साथ-साथ, महासागर गर्म और अधिक अम्लीय होते जाएंगे, समुद्री बर्फ एवं ग्लेशियर पघिलते रहेंगे, तथा समुद्र का स्तर बढ़ता जाएगा, परगामस्वरूप मौसम अधिक चरम होता जाएगा ।
  - **आर्कटकि वार्मिगि** अनयितरति रूप से बढ़ रही है और आर्कटकि की स्थिति सभी को प्रभावति करती है ।

## वगित वर्ष के प्रश्नः

प्रश्न. वर्ष 2015 में पेरसि में UNFCCC की बैठक में हुए समझौते के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं? (2016)

1. इस समझौते पर UN के सभी सदस्य देशों ने हस्ताक्षर कयि थे और यह वर्ष 2017 में लागू हुआ ।
2. समझौते का लक्ष्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को सीमति करना है, ताकि इस सदी के अंत तक औसत वैश्वकि तापमान में वृद्धि पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस या 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक न हो ।
3. वकिसति देशों ने ग्लोबल वार्मिगि में अपनी ऐतहासकि ज़मिमेदारी को स्वीकार कयिा और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिये वकिसशील देशों की मदद करने हेतु वर्ष 2020 से प्रतवर्ष 1000 बलियिन डॉलर का दान करने के लिये प्रतबिद्धता ज़ाहरि की है ।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (B)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस